



भारत का राजपत्र

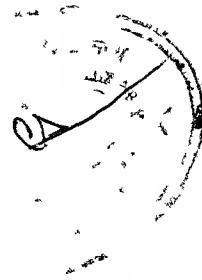
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार द गवर्नर
PUBLISHED BY AUTHORITY



स 313]

नई दिल्ली, सोमवार, सिन्धुर 13, 1993/भाद्र 22 1915

No. 313] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 13, 1993/BHADRA 22, 1915

विन मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
श्रिमूलना
नई दिल्ली, 13 सिन्धुर, 1993
म 170/4-सीमा-एल्क

सा का नि 607 (ग) —केन्द्रीय मंत्रालय सीमा-एल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की वारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हां यह समाप्त हो जाते पेर कि लोकहित में ऐसा करना अवश्यक है, इन ग्राहित सूचना के उपर भी विनिर्दिष्ट माल का (जिन्हे इसके पाल्वात् माल कहा गया है), जब उक्ता विशेषापत्तनम निर्यात प्रसरकरण जोन (जिस इसके पाल्वात् जोन कहा गया है) के भीतर जिसमें पैर 5 में विनिर्दिष्ट सरोथण सर्वाक बाल स्थान समाविष्ट है आर जो उस पैरा में दी गई सीमाओं से विरा है, यूनिटा द्वारा भारत के बाहर निर्यात के लिए माल का उत्पादन करने के लिए या भारत के बाहर निर्यात के लिए माल के उत्पादन

या पैकेजिंग के पार मे उन्हा उत्पादन करने के लिए या ऐसे नियंति का प्रवर्तन तरने के लिए भारत से आयात किया जाए, सीमा-एल्क ट्रैकिं अधिनियम 1975 (1975 का 51) की पञ्ची गतिशील व्यवस्था के अन्तर्न उन पर उदयहणीय सम्पूर्ण सीमागुल्क और दूसर उन्निवान अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उदयहणीय प्रतिरिक्षण शुल्क गे यदि कोई तो, निम्नलिखित जातों के अन्तर्न रहने हुए छृट देती है, अर्थात् —

- (1) आयातकर्ता का उस जान मे विनिर्माण यूनिट या यनिट स्थापित रहने ते लिए प्राप्तिकृत किया गया है
- (2) आयातकर्ता का मान का आगत करने के लिए ग्राहित सर्वाक अनुदान का गर्व है,
- (3) आयातकर्ता द्वारा ग्राहित करने वाले समावान कर देना है कि इस प्रकार अत्यातिन मान का उपयोग भारत के बाहर निर्यात के लिए मान के उत्पादन या पैकेजिंग या मान के ऐसे निर्यात से सम्प्रवर्तन के सबधर मे किया जाएगा,

(1) नागरिकों द्वारा प्रस्तुत ये और ऐसी माल के लिए, जो जोन के विकास आयुक्त द्वारा नियंत्रित की जाए, एक बधायता नियमित करने के लिए बहार करना है जिसमें वह नियंत्रित वाध्यताओं को पूरा करने और अन्य लातों के साथ-साथ इस अधिसूचना में और तत्समय प्रवृत्त भारत सरकार की नियंत्रित आगात नीति में अनुबन्ध शर्तों को पूरा करने के लिए स्वयं तो आवश्यक करता है,

(5) आश्रामकाल करार करना है कि यह—

(क) मान वो जोन रो लाएगा और उनका उपयोग जोन के भीतर भारत के बाहर माल के नियंत्रित के लिए माल के उत्पादन या पैकेजिंग या मान के ऐसे नियंत्रित के सम्बन्धित के भीतर में करेगा,

(ख) इस प्रकार उत्पादन या पैकेज लिए गए सभी माल का, अधारिति, भारत वें बाहर नियंत्रित करेगा या ऐसे माल का उपयोग करनागे वो प्रशिक्षण देने के लिए करेगा या ऐसे माल वा उत्पादन जोन के भीतर विक्रय करने के लिए करेगा,

(ग) ऐसे उत्पादन या पैकेजिंग रो प्रोटोकॉल गति शब्दों का विकास आयुक्त द्वारा अनुमोदित रीति में नियंत्रित या व्यवहार करेगा,

(6) आपानकर्ता गान के आपान, उपभोग और उपयोग वा तथा उसके द्वारा लिए गए नियंत्रित का समुचित लेना रखेगा, और ऐसा लेना समय-समय पर विकास आयुक्त को ऐसे प्रस्तुत में और ऐसी रीति से, जो उन्हें सम्मुचित द्वारा अधिकृति दी जाए प्रस्तुत करेगा,

(7) आयातकर्ता यात्रा की जाने पर, नियन्त्रित भाग पर उद्योगशील शुल्क के वर्गनार रकम वा मना परेगा, अर्थात्—

(क) ऐसे माल पर, जो ऐसे पजी गान है जिन के नारे में सीमांशुल्क सहायक कलकटर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होगा है कि वे माल,—

(i) जोन के भीतर नस्तापित किए गए या अन्यथा उपयोग में लाए गए हैं या उन्हें आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर जिने सीमांशुल्क सहायक कलकटर अपारा या समाधान हो जाने पर कि उनका उपयोग जोन के भीतर न किए जाने या उनका उत्पादन के भीतर पुन नियंत्रित न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुमति दी जाने का पर्याप्त कारण है, पुन नियंत्रित किए जाने का पर्याप्त कारण है;

(ii) जोन के भीतर सम्भालन या उपयोग के पश्चात् जोन के भीतर प्रतिधारित किए गए हैं,

(ख) पूजी माल से भिन्न ऐसे माल पर, जिनके बारे में सीमांशुल्क सहायक कलकटर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वे माल,—

(i) भारत के बाहर नियंत्रित के लिए (जोन के भीतर) माल के उत्पादन या पैकेजिंग या ऐसे माल के नियंत्रित के सप्रबन्धन के सब्द में उपयोग किए गए हैं या उनके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जिसे सीमांशुल्क सहायक कलकटर अपना यह समाधान हो जाने पर कि उत्पादन अवधि के भीतर उत्पादन न किए जाने या उनका पुन नियंत्रित न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुमति दी जाने का पर्याप्त कारण है, पुन नियंत्रित किए गए हैं,

(ii) भारत के बाहर नियंत्रित करने के लिए माल के उत्पादन या पैकेजिंग या माल के नियंत्रित के सप्रबन्धन के सब्द में जोन के भीतर प्रतिधारित किए गए हैं।

(ग) इस प्रकार उत्पादन या पैकेज किए गए ऐसे माल पर, जिनका भारत के बाहर नियंत्रित नहीं किया गया है और ऐसे अप्रस्तुत माल पर (जिसके अन्तर्गत ऐसे यात्री दावे (कौन), फिरकी और आधान, माद्रे कोई हो, हैं जो बार-बार उपयोग के लिए उपयुक्त हैं) जिनका ऐसे माल के आयात की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जिसे सीमांशुल्क सहायक कलकटर, आयात यह समाधान हो जाने पर कि उत्पादन के भीतर ऐसे माल का नियंत्रित न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुमति दी जाने का पर्याप्त कारण है,

(8) नीमांशुल्क कलकटर, ऐसी शर्तों और पर्याप्तीमाओं के अवधि रहने द्वाएं जो वह अधिरोपित करे, अधिकृत किए हुए माल या उनसे उत्पादित या पैकेज किए गए माल को भरभूत, प्रशस्करण या पदर्दन के लिए शुल्क का संदाय किए जिना अप्रस्तुती रूप से जोन के बाहर से जाने की

अनुज्ञा दे सकेगा और आयातकर्ता ऐसी शर्तों और परिसीमाओं का अनुमालन करने के लिए आवश्यक होंगे;

(9) सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह विहित करे, विकास आपूर्त द्वारा आवश्यक अनुज्ञा देने और तत्समय प्रवृत्त भारत सरकार की नियति आयात नीति में विवित शर्तों का समाधान करने के अधीन रहते हुए, जोन में माल का (जिसके अन्तर्गत विनिर्मित माल भी हैं) जोन की एक यूनिट से किसी दूसरे जोन की किसी यूनिट में या शत-प्रतिशत नियतीन्मुख यूनिट में प्रवाय/अन्तरण करने के लिए अनुज्ञा दे सकेगा,

(10) सीमा-शुल्क कलक्टर, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो वह विहित करे, विकास आपूर्त द्वारा आवश्यक अनुज्ञा दी जाने पर, किसी यूनिट को माल का पुनः नियत करने के लिए अनुज्ञा दे सकेगा;

(11) सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधान के अधीन रहते हुए, निम्नलिखित माल के संबंध में शुल्क उद्ग्रहणीय नहीं होगा, अर्थात्:—

(क) ऐसे माल, जिनकी आयातकर्ता, उसके कर्मचारी या अधिकर्ता के जानवृक्षकर किए गए किसी कार्य, उपेक्षा या व्यतिक्रम के कारण हानि नहीं हुई है या जो नष्ट नहीं हुए हैं;

(ख) ऐसे माल, जिनकी आयातकर्ता, उसके कर्मचारी या अधिकर्ता के जानवृक्षकर किए गए किसी कार्य, उपेक्षा या व्यतिक्रम के कारण नुकसान या क्षय नहीं हुआ है और इसलिए वे जोन के भीतर माल के उत्पादन या पैकेजिंग में प्रयोग के लिए उपयुक्त नहीं हैं;

(ग) ऐसे उत्पादन के अनुक्रम में निकलने वाला सक्रेप या अपशिष्ट सामग्री, यदि ऐसा सक्रेप या अपशिष्ट सामग्री ऐसी सीमा तक है जो केन्द्रीय सरकार इस नियमित विनिर्दिष्ट करे और जिसे जोन के भीतर नष्ट किया जाए;

(घ) जोन में उत्पादन या पैकेज किए गए माल के नमूने, जिन्हें सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो वह इस नियमित विनिर्दिष्ट करे, परीक्षण के लिए जोन से बाहर भेजे जाने के लिए अनुज्ञात करे और जिनका ऐसे परीक्षण के दौरान उपयोग किया जाए।

(इ.) जोन के भीतर अवृद्धयन या डिजाइन के लिए आयातित माल के ऐसे नमूने, जो विनिर्माण संक्रियाओं के अनुक्रम में टृट गए हैं और वाणिज्यिक मूल्य में नगण्य हो गए हैं;

(ज) ऐसे माल, जिनका जोन के भीतर कर्मचारों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रयोग किया जाए या ऐसे माल, जिनका जोन के भीतर किसी विनिर्माण द्वारा जोन के भीतर किसी अन्य विनिर्माण को ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, और ऐसे बंधपत्र के तिष्याइन पर त्रिका किया जाए, जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर यह सुनिश्चित करने के लिए विनिर्दिष्ट करे कि इस प्रकार विक्रय किए गए माल को भारत से बाहर नियति के लिए माल के उत्पादन या पैकेजिंग या मालके ऐसे नियति के संप्रवर्तन के संबंध में उपयोग में लाया जाएगा;

(झ) जोन के भीतर विनिर्मित माल और जिन्हें भर्त्यत, प्रसंस्करण या प्रदर्शन के लिए अस्थायी रूप से जोन के बाहर ले जाने के लिए अनुज्ञान किया जाता है;

(ञ) सिनेसिलाए वस्त्रों के विनिर्माण के दौरान, निकलने वाले चियड़े, कतरने और दर्जी द्वारा कटे हुए टुकड़े, उनका जब जोन से निकासी किया जाए, परन्तु यह तब जबकि चियड़े, कतरने, और दर्जी द्वारा कटे हुए टुकड़े के रूप में ऐसी अपशिष्ट सामग्री की प्रतिशतता इस संबंध में विशाखापत्नम नियति प्रसंस्करण जोन बोर्ड द्वारा नियन्त्रित प्रतिशतता से अधिक न हो;

(ञ) जोन में ऐसे माल (जिनके अन्तर्गत विनिर्मित माल भी है) जिन्हें जोन की एक यूनिट से जोन की किसी दूसरे यनिट या किसी शत प्रतिशत नियतीन्मुख यूनिट में प्रवाय अन्तरण के लिए अनुज्ञात किया जाए;

(ञा) ऐसे माल, जिनका जोन में किसी यूनिट से पुनः नियत करने के लिए अनुज्ञात किया जाता है।

2. निम्नलिखित माल की बाबत नियति के रूप में पैरा 1 की शर्त (6) के अधीन हिसाब देने की अपेक्षा नहीं की जाएगी, अर्थात्:—

(क) (i) ऐसे माल, जिनका आयातकर्ता, उसके कर्मचारी या अधिकर्ता के जानवृक्षकर किए गए किसी

कार्य, उपेक्षा या व्यविक्रम से नुकसान या क्षय नहीं हुआ है और इसलिए जो जोन के भीतर माल के उत्पादन में प्रयोग के लिए उपयुक्त नहीं है, यदि ऐसा माल जोन के भीतर नष्ट किया जाता है या जिसको ऐसे शुल्क के बराबर शुल्क का संदाय करने पर जो माल पर उद्गृहीत होता यदि माल ठीक दशा में आयातित किया होता, भारत के किसी अन्य भाग में प्रयोग के लिए जोन से निकासी की जाती है, या

(ii) जोन के भीतर माल के उत्पादन के अनुक्रम में निकलने वाला स्क्रेप या अपशिष्ट पदार्थ यदि वह जोन के भीतर नष्ट किया जाता है या जिसकी ऐसे शुल्क के बराबर शुल्क का संदाय करने पर, जो माल पर उद्गृहीत होता यदि वह उस रूप में आयातित किया गया होता, भारत के किसी अन्य भाग में प्रयोग के लिए जोन के निकासी की जानी है :

परंतु यह कि यदि उक्त माल के उत्पादन या पैकेजिंग के अनुक्रम में निकलने वा स्क्रेप या अपशिष्ट पदार्थ की प्रतिशतना विशाखापत्नम नियाति प्रसंस्करण जोन बोर्ड द्वारा इस निमित्त नियति की गई प्रतिशतता से अधिक है, तो मूल सामग्री पर, जिसमें से उक्त स्क्रेप या अपशिष्ट पदार्थ निकला है, उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर शुल्क ऐसी अधिक भावा पर प्रभारित किया जाएगा,

(ख) बार-बार उपयोग किए जाने योग्य खाली कोन, फिरकियां या आधारान, जिनकी ऐसे माल का भारत में आयात करते समय उस पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर शुल्क का संदाय करने पर भारत के किसी अन्य भाग में उमका उपयोग करने के लिए जोन से निकासी की जाती है,

(ग) जोन के भीतर माल के उत्पादन के अनुक्रम में निकलने वाली चिंदिया, कागज की कतरने और अपशिष्ट पैकेजिंग सामग्री, जब उस जोन के सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट प्रत्रिया के अनुसार किसी सीमा-शुल्क अधिकारी के पर्यवेक्षण में नष्ट किया जाता है,

(घ) तैयार वस्तों के विनिर्माण के अनुक्रम में प्रोद्भूत चिथड़े, कतरने और टेलर, कटिंग, जब जोन निकासी की जानी है।

3. इस अधिसूचना में किन्हीं अन्य उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जहां सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह दर्शाया जाता है कि,—

(क) विशाखापत्नम नियाति प्रसंस्करण जोन बोर्ड द्वारा तत्समय प्रवृत्त भारत सरकार की आयात-नियाति नीति के अनुसार, जोन के किसी यूनिट को जोन से हट जाने की अनुज्ञा दी गई है या जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान में किसी पूर्जी माल का व्यवन करने की अनुज्ञा दी गई है, और

(ख) इस प्रकार अनुज्ञात संवधित पूर्जी माल का उपयोग तीन वर्ष में अन्यून अवधि के भीतर किया गया है,

तो सीमा-शुल्क कलक्टर ऐसे पूर्जी माल को जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाने की अनुज्ञा, ऐसे पूर्जी माल की निकासी के समय उसके अवक्षयित मूल्य पर, तथा उनके आयात के समय प्रवृत्त दरों पर, ऐसे पूर्जी माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर रकम का संदाय करने पर, दे सकेगा।

4. इस अधिसूचना में किसी बान के होते हुए भी,—

(क) इसमें दी गई छूट उस माल पर भी लागू होगी जिसका भारत में आयात किये जाने पर पर जोन के भीतर उत्पादित या विनिर्मित उत्पाद-शुल्क शुल्क्य माल के उत्पादन या विनिर्माण या पैकेजिंग के संबंध में उपयोग किया जाता है और ऐसा उत्पादन शुल्क्य माल, भले ही उसका भारत से बाहर नियाति नहीं किया जाता, कित्तु जिसे भारत में किसी अन्य स्थान को, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन ऐसे उत्पाद-शुल्क का संदाय करने पर तत्समय प्रवृत्त भारत सरकार की नियाति और आयात नीति के अनुसार तथा ऐसी मात्रा और अन्य परिसीमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए जो जोन के विकास आयुक्त द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट की जाये, ने जाया जाता है,

(ख) सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर जोन के भीतर उत्पादित या विनिर्मित या पैक किये गये किसी उत्पादन-शुल्क्य माल को, ऐसी शर्तों और निवंधनों के अधीन रहते हुए जो इस निमित्त विकास आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट की जाये, केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन ऐसे उत्पाद शुल्क्य माल पर

उद्भवणीय उत्पादन-शुल्क का संदर्भ करने पर नमूने के रूप में प्रदर्शित करने के प्रयोजनों के लिये जोन से बाहर भारत में किसी अन्य किसी स्थान को नै जाये जाने के लिये अनुज्ञात कर सकेगा :

परन्तु, नमूनों के रूप में प्रदर्शित करने के प्रयोजनों के लिये जोन से बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाये जाने के लिये इस प्रकार अनुज्ञात उत्पादन-शुल्क साल की मात्रा और जोन में किसी किसी यूनिट की बाबत तत्समय प्रवृत्त भारत सरकार की आयात और निर्यात नीति के अधीन और उसके अनुसार विक्रय के प्रयोजन के लिये जोन से बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाये जाने के लिये अनुज्ञात उत्पादन-शुल्क साल की मात्रा, किसी वित्तीय वर्ष में उक्त आयात और निर्यात नीति में ऐसे विक्रय के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक नहीं होगी,

(ग) ऐसी यूनिटों की दशा में, जो कम्प्यूटर प्रक्रिया सामग्री के विकास में लगी है, इसमें अन्तर्विष्ट छूट ऐसे माल को भी लागू होगी जिसका ऐसे यूनिट द्वारा निर्यात के लिये प्रक्रिया सामग्री के विकास के लिये और विदेश में 'स्थल पर' प्रक्रिया सामग्री के विकास के लिये परामर्शी सेवाओं उपलब्ध कराने के लिये आयात किया जाता है :

परन्तु यह तब जब कि—

- ऐसे प्रक्रिया-सामग्री विकास यूनिट द्वारा इस अधिसूचना में अनुबंधित शर्तों का पालन किया जाता है, और
- सीमाशुल्क कलेक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।

स्पष्टीकरण—किसी प्रक्रिया सामग्री विकास यूनिट द्वारा विदेश में 'स्थल पर' प्रक्रिया-सामग्री के विकास के संबंध में परामर्शी सेवाओं के लिये संपरिवर्तनीय विदेशी करेसी में प्राप्त परामर्शी फीस, इस अधिसूचना के अधीन निर्यात बाध्यता की पूर्ति करने के प्रयोजनों के लिये निर्यात समझी जायेगी ।

5. इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिये, जोन में वे स्थान समाविष्ट होंगे जिनके सर्वेक्षण संख्यांक नीचे विनिर्दिष्ट किये गये हैं और जो नीचे विनिर्दिष्ट सीमाओं से बिरे हुए हैं :—

खसरा/सर्वेक्षण संख्यांक :

ग्राम दुव्वदा : 138 भाग, 139 भाग। ग्राम कुरमन्नाफ्लेम : 1, 2, 3, 4, गाजुवका मंडल का ग्राम जग्गराजूपेटा 2 भाग, 3, 124, 34 भाग, 35, 36, 37 और 38 भाग।

आंध्र प्रदेश का विशाखापत्तनम जिला, जो विशाखापत्तनम पत्तन से 24 किलोमीटर और विशाखापत्तनम विमान पत्तन से 15 किलोमीटर की दूरी पर है, जो 3.0×3.20 मीटर ऊंची सीमा दीवाल से विया हुआ है जिस पर 1.20 मीटर भुजा लंगाई की वाई-कोण कांडेश्वर तार लगी है।

उत्तरी दिशा : आरक्षित बन और पोरिमधोक पहाड़ी

उत्तर-पूर्व : विशाखापत्तनम निर्यात प्रसंस्करण जोन की फेज 2 की बकाया भूमि

दक्षिण और जग्गराजूपेटा निजी शुक्क भूमि

दक्षिण पूर्व :

दक्षिण दिशा : हावड़ा-मद्रास दोहरी लेन रेल पथ

दक्षिण पश्चिम : विशाखापत्तनम निर्यात प्रसंस्करण जोन की और पश्चिम : फेज 1 की प्रशासनिक भवन और आवास के लिये प्रस्तावित बकाया भूमि

उत्तर पश्चिम : विशाखापत्तनम निर्यात प्रसंस्करण जोन की फेज 1 की आवासीय क्वार्टरों के लिये प्रस्तावित बकाया भूमि

उपार्वध

क्रम सं. माल का वर्णन

(1) (2)

- मशीनरी
- कच्ची सामग्री
- संघटक
- मशीनरी के अतिरिक्त पुँज
- खपने वाली सामग्री
- पैकेजिंग सामग्री ।
- कार्यालय उपस्कर, अतिरिक्त पुँज और उसकी खपने वाली सामग्री ।
- विदेशी क्रेता के परिदान लेने में असक्त रहने के कारण जोन से निर्यात की तारीख से एक वर्ष के भीतर पुँजः आयातित माल ।
- ओजार, जिग, गेज, फिल्सचर, मांचे, डाई, उपकरण और उपसाधन ।
- विकास और विविधता के लिये आदिप्रस्तृप, तकनीकी और व्यापार नमूने ।
- रेखाचित्र, ब्लूप्रिंट और चार्ट
- निर्यात की तारीख से तीन वर्ष के भीतर मरम्मत या पुनरनुकूलन के लिये प्राप्त माल की मरम्मत या पुनरनुकूलन के पश्चात् निर्यात करने

(1) (2)

के लिये माल

13. सामग्री वी उडाई-दार्त के लिये उत्सर्जन, प्रष्टात् दुशाखा (फोक) लिफ्ट, बोवरहैड फ्रेन, गतिशील फ्रेन, लिंगक (आलर) फ्रेन, उत्तोलक और स्टैकर।

[फा.स. 305/130/92-एफ.डी.टी.]

तिलक राज कपूर, अध्यक्ष सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th September, 1993

NO. 170/93-CUSTOMS

G.S.R. 607(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts good specified in the Annexure to this notification (hereinafter referred to as the goods), when imported into India for the production of goods for exports out of India or for being used in connection with the production or packaging of goods for exports out of India or for promotion of such exports by units within the Visakhapatnam Export Processing Zone (hereinafter referred to as the Zone) comprising of places bearing the survey numbers and enclosed by the boundaries specified in paragraph 5 from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and the additional duty, if any, leviable thereon, under section 3 of the second mentioned Act, subject to the following conditions namely:—

- (1) the importer has been authorised to establish the manufacturing unit or units in the Zone;
- (2) the importer has been granted necessary licence for the import of goods;
- (3) the importer satisfies the Development Commissioner that the goods so imported will be used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such exports of goods;
- (4) the importer agrees to execute a bond in such form and for such sum as has been prescribed by the Development Commissioner of the Zone binding himself to fulfil the export obligations, and to fulfil, inter-alia the conditions stipulated in this notification and in the Export Import Policy of the Government of India for the time being in force;

(5) the importer agrees :—

- (a) to bring the goods into the Zone and use them within the Zone in connection with the production or packaging of goods for Export out of India or with the promotion of such exports of goods;
- (b) to export out of India, all goods so produced or packaged or to use such goods for imparting training to workers or to sell such goods within the said Zone, as the case may be :—
- (c) to export or dispose of in the manner approved by the Development Commissioner all remnants arising out of such production or packaging;
- (d) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of goods and of exports made by him, and shall submit such account periodically to the Development Commissioner, in such form and in such manner as may be laid down by the said Commissioner;
- (e) The importer shall pay, on demand, an amount equal to the duty leviable.
 - (i) installed or otherwise used within the Zone or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them within the Zone or for not re-exporting them within the said period, allow;
 - (ii) retained within the Zone after installation or use inside the Zone;
- (f) On goods which are capital goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been
 - (i) used in connection with the production or packaging of goods (within the Zone) for export out of India or with the promotion of export of such goods or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them or for not re-exporting them within the said period, allow;
 - (ii) retained within the zone in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of export of goods;
 - (c) On goods so produced or packaged as have not been exported out of India and on unused goods (including empty cores, bobbins or containers, if

any, suitable for repeated use) as have not been exported, within a period of one year from the date of importation of such goods or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow;

(8) The Collector of Customs, may, subject to such conditions and limitations as may be imposed by him permit any goods imported or goods produced or packaged therefrom to be taken outside the Zone temporarily without payment of duty for repairs, processing or display and the importers shall be bound to comply with such conditions and limitations;

(9) The Assistant Collector of Customs may, subject to such conditions as may be prescribed by him, allow goods (including goods manufactured) in the Zone to be supplied/transferred from a unit in the Zone to a unit in another Zone or to a 100 per cent Export Oriented Unit subject to necessary permission granted by the Development Commissioner and satisfaction of conditions prescribed in the Export Import Policy of the Government of India for the time being in force;

(10) The Collector of Customs may, subject to such conditions as may be prescribed by him, allow a unit to re-export the goods, on the necessary permission being granted by the Development Commissioner;

(11) Subject to the satisfaction of the Collector of Customs, duty shall not be leviable in respect of the following goods, namely :—

- (a) goods lost or destroyed not due to any wilful act, negligence or default of the importer, his employee or agent;
- (b) goods damaged or deteriorated not due to any wilful act, negligence or default of the importer, his employee or agent and therefore, not suitable for use in the production of goods or packaging within the Zone;
- (c) scrap or waste material arising in the course of such production, if such scrap or waste material is within such limits as may be specified in this behalf by the Central Government, and destroyed within the Zone;
- (d) samples of goods produced or packaged in the Zone which are allowed by the Assistant Collector of Customs to be sent for test outside the Zone subject to such conditions as he may specify in this behalf and which are consumed in the course of such test;
- (e) samples of goods imported for study or design within the Zone, which, in the course of manufacturing operations have been broken up and rendered insignificant in commercial value;
- (f) goods used for imparting training to workers within the Zone or goods sold by a manufacturer within the Zone to another manufacturer inside the Zone subject to such

conditions, and the execution of such bonds, as may be specified by the Assistant Collector of Customs for ensuring that the goods so sold will be used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such export of goods;

(g) goods manufactured in the Zone and which are allowed to be taken outside the Zone temporarily for repairs, processing or display;

(h) rags, trimmings and tailor cuttings arising in the course of manufacture of readymade garments, when cleared from the Zone, provided that the percentage of such waste material in the form of rags, trimmings and tailor cuttings does not exceed the percentage fixed in this regard by the Vishakapatnam Export Processing Zone Board;

(i) goods (including goods manufactured) in the Zone and which are allowed to be supplied/transferred from a unit in the Zone to a unit in another Zone or to a 100 per cent Export Oriented Unit;

(j) goods which are allowed to be re-exported from a unit in the Zone.

2. The following goods will be required to be accounted for under condition (6) of paragraph 1 by way of export, namely :—

(a) (i) goods damaged or deteriorated not due to any wilful act, negligence, or default of the importer, his employee or agent and therefore not suitable for use in the production of goods within the Zone, if destroyed within the Zone or if cleared from the Zone for use in any other part of India on payment of duty equal to that leviable on the goods if imported in sound condition; or (ii) scrap or waste material arising in the course of production of goods within the Zone, if destroyed within the Zone or if cleared from the Zone for use in any other part of India for payment of the duty equal to that leviable on goods if imported in that form :

Provided that if the percentage of scrap or waste material arising in the course of production or packaging of the said goods exceeds the percentage fixed in this regard by the Vishakapatnam Export Processing Zone Board, the duty equal to that leviable on the mother material, out of which the said scrap or waste material has arisen, shall be charged on the excess quantity;

(b) empty cones, bobbins or containers, suitable for repeated use, and cleared from the Zone for use in any other part of India on payment of the duty equal to that leviable on such goods at the time of their importation into India.

(c) chindies, paper cuttings, and the waste packing material arising in the course of production of goods within the Zone, when destroyed under the supervision of an officer

of customs in accordance with the procedure specified in this behalf by the Assistant Collector of Customs of the Zone.

(d) rags, trimmings and tailor cuttings arising in the course of manufacture of readymade garments, when cleared from the Zone.

3. Without prejudice to any other provisions contained in this notification where it is shown to the satisfaction of the Collector of Customs —

(a) that any unit in the Zone has been allowed to withdraw from the Zone, or has been permitted to dispose of any capital goods outside the Zone in any other place in India, in accordance with the Import-Export Policy of the Government of India for the time being in force, by the Vishakapatnam Export Processing Zone Board; and

(b) that the concerned capital goods so permitted have been used within the Zone for a period of not less than three years,

the Collector of Customs may allow such capital goods to be taken outside the Zone to any other place in India on payment of an amount equal to the duty leviable on such capital goods on the depreciated value thereof at the time of clearance and at the rates in force at the time of their import.

4. Notwithstanding anything contained in this notification:—

(a) the exemption contained herein shall also apply to those goods which on importation into India are used in connection with the production or manufacture or packaging of excisable goods produced or manufactured within the Zone and such excisable goods, even if not exported out of India, but brought to any other place in India under, and in accordance with, the Export and Import Policy of the Government of India for the time being in force and subject to the quantity and such other limitations and conditions as may be specified in this behalf by the Development Commissioner of the Zone, on payment of duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944);

(b) the Assistant Collector of Customs may allow any excisable goods produced or manufactured or packaged within the Zone, to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples subject to such conditions and restrictions as may be specified by the Development Commissioner in this behalf, on payment of the duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

Provided that the quantity of the excisable goods, so allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples

together with the quantity of excisable goods allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purpose of sale under, and in accordance with, the import and Export Policy of the Government of India for the time being in force, in respect of any unit in the Zone shall not, in any financial year, exceed the limit specified in the said Import and Export Policy for the purposes of such sale;

(c) in the case of units engaged in the development of computer software, the exemption contained herein shall also apply to goods imported by such unit for the development of software for export and for providing consultancy services for development of software 'on site' abroad, provided that

- (i) the conditions stipulated in this notification are complied with by such software development unit; and
- (ii) the procedure specified by the Collector of Customs is followed.

Explanation—The consultancy fees received by a software development unit in convertible foreign currencies for consultancy services for development of software 'on site' abroad shall be deemed to be export for the purposes of fulfilment of export obligation under this notification.

5. For the purposes of this notification, the Zone shall comprises the places bearing the survey numbers and enclosed by the boundaries specified below :

Khasra/Survey numbers:

• Duvvada Village: 138 Part: 139 Part. Kurmannapalem Village : 1, 2, 3, 4. Jaggarajupeta Village of Gajuwaka Mandal : 2 Part, 3, 124, 34 Part. 35, 36, 37 and 38 Part.

Visakapatnam District of Andhra Pradesh lying at a distance of 24 Kms from the Port of Vishakapatnam and 15 kms from the Vishakapatnam Airport enclosed by 3.0 to 3.20 metres high boundary wall with 1.20 metre arm length Y-angle barbed wire

Northern side : Reserve Forest and Hill Porimboke

North East : Phase II balance lands of Vishakapatnam Export Processing Zone.

South & south : Jaggarajupeta private dry lands East

Southern side: Howrah-Madras double lane Railway Track

South west & West : Phase I balance Vishakapatnam Export Processing Zone lands proposed Administrative building and housing.

North West : Phase I balance Vishakapatnam Export Processing Zone lands proposed for residential quarters.

THE ANNEXURE

Sl. No.	Description of Goods	1	2
(1)	(2)		
1.	Machinery.		
2.	Raw Materials.		
3.	Components.		
4.	Spare parts of machinery		
5.	Consumables.		
6.	Packaging materials.		
7.	Office equipments, spares and consumables thereof.		
8.	Goods re-imported within one year from the date of exportation from the Zone due to the failure of the foreign buyer to take delivery.		
9.	Tools, Jigs, gauges, fixtures, moulds, dies, instruments and accessories.		
10.	Prototypes, technical and trade samples for development and diversification.		
11.	Drawings, blue prints and charts.		
12.	Goods received for repairs or re-conditioning within three years of the date of exportation, for export after repairs or re-conditioning.		
13.	Material handling equipments, namely fork-lifts, over-head cranes, mobile cranes, crawler cranes hoists and stackers.		

[F.No. 305/130/92-FTT]
T.R. KAPUR, Under Secy.]

